अपात्र व्यक्तियों ने 31 जनवरी तक नाम वापस नहीं लिए तो सख्त एक्शन होगा : सुमित गोदारा

जयपुर। अपात्र और सक्षम व्यक्तियों द्वारा खाद्य सुरक्षा योजना में अनुचित तरीके से लाभ उठाने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करने वाली है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का प्रदेशभर में व्यापक असर हो रहा है। हजारों लोग आगे आकर अपना नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटवा रहे हैं। अपात्र व्यक्तियों को इस योजना के दायरे से बाहर निकाले जाने का कार्य विभाग की ओर से लगातार किया जा रहा है। गोदारा ने बताया कि 31 जनवरी तक सक्षम और अपात्र परिवारों को इस योजना से अपना नाम हटा लेना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर 31 जनवरी के बाद विभाग की ओर से सख्त एक्शन लिया जाएगा। योजना का अनुचित लाभ लेने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वसूली की कार्रवाई भी की जाएगी। मंत्री गोदारा ने कहा कि जरूरतमंद लोगों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इसी उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है।

- **गिव अप अभियान का बड़ा असर : 2 महीने में लगभग 7 लाख व्यक्तियों के नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटाए गए**
- **'वंचित जरूरतमंद लोगों तक खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पहुंचाना सरकार का मुख्य उद्देश्य'**

गोदारा ने बताया कि गिव अप अभियान लंबे समय से चल रहा है। प्रदेश के लोग आगे आकर इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। प्रदेशभर में लगभग 7 लाख अपात्र व्यक्तियों के नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटाए गए हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस अभियान से जोड़ने के लिए जनजागृति कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि लोग आगे आकर योजना का अनुचित लाभ लेना छोड़ें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का उद्देश्य जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना है। हालांकि कई सक्षम व्यक्तियों के योजना में शामिल होने के कारण पात्र और जरूरतमंद परिवार इस योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने अपात्र व्यक्तियों को योजना से स्वेच्छा से बाहर निकलने का विकल्प दिया है। सक्षम और अपात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटाने के लिए स्थानीय उचित मूल्य की दुकान जाना होगा। वहां पर निर्धारित फॉर्म को भरना होगा। दरअसल यह फार्म एक तरह का घोषणा पत्र है जिसके जरिए व्यक्ति द्वारा स्वयं की इच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना के तहत लाभ नहीं लेने की अपील की जाती है। जो परिवार अपात्र हैं या जो सक्षम हैं। उन्हें यह फार्म भरकर जमा कराना है। इसके बाद विभाग की ओर से संबंधित परिवार का नाम योजना से हटा दिया जाएगा। 31 जनवरी 2025 के बाद अगर कोई व्यक्ति अनुचित रूप से लाभ लेते पाए गए तो विभाग की ओर से खाद्यान्न की बाजार कीमत से वसूली की जाएगी। उनके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा में अनुचित लाभ लेने वालों के करीब 7 लाख लोगों के नाम इस योजना से हटाए गए। सर्वाधिक 71932 व्यक्तियों के नाम अलवर जिले में हटाए गए। सर्वाधिक नाम हटाने वालों में दूसरे स्थान जयपुर जिला है जहां 41806 व्यक्तियों के नाम हटाए गए। तीसरे स्थान पर उदयपुर में 40314 अपात्र लोगों के नाम हटाए गए।

राष्ट्र निर्माण में नई पीढ़ी को तराशने का कार्य करते हैं शिक्षक : डॉ. पूनिया

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का जयपुर के आमेर विधानसभा क्षेत्र के राजावास में स्वागत किया गया।

- **डॉ. सतीश पूनिया ने राजावास में 1.12 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया**
- **राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद के प्रांतीय अधिवेशन में शामिल हुये डॉ. पूनिया और मदन दिलावर**

जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर के आमेर विधानसभा क्षेत्र के राजावास में 1.12 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

इस दौरान विधायक प्रशांत शर्मा, जिला प्रमुख रमा देवी, उप जिला प्रमुख मोहन डागर इत्यादि सहित व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सतीश पूनियां ने राजावास में पशु चिकित्सालय उपकेंद्र, सामुदायिक भवन, राजकीय विद्यालय में दो कक्षा-कक्ष, राजकीय विद्यालय में बास्केटबॉल खेल मैदान, राजकीय विद्यालय राजारामपुरा में कक्षा-कक्ष, राजावास मुख्य गांव से यादवों की ढाणी सीसी तक सड़क निर्माण कार्य इत्यादि विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

इसके बाद जयपुर में आयोजित राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद के प्रांतीय अधिवेशन में डॉ. सतीश पूनिया और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से पधारे शिक्षक शामिल हुये। डॉ. पूनिया ने कहा कि, समाज, प्रदेश और राष्ट्र के उत्थान में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, माता-पिता के साथ-साथ बच्चे में संस्कार निर्माण व शिक्षा की नींव मजबूत करने में शिक्षक बड़ी सकारात्मक भूमिका निभाते हैं, जन-जन में गुरुजी का सम्मान सर्वोच्च होता है, एक तरह से राष्ट्र निर्माण में नई पीढ़ी को तराशने का कार्य शिक्षक करते हैं।

21 करोड़ की लागत से लवाण सब-स्टेशन का संचालन शुरू

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसानों को वर्ष 2027 से दिन में अच्छी गुणवत्ता की बिजली उपलब्ध करवाने के निर्देशों की पालना में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये विद्युत प्रसारण निगम ने दौसा जिले में सब-स्टेशन, लवाण का संचालन शुरू कर दिया गया है।

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि अभी तक लवाण के आस-पास के इलाकों में बिजली सप्लाई 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, दौसा व 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, तूंगा से होती थी जिससे वोल्टेज में उतार-चढ़ाव रहता था, इसी कारण लवाण में 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाने की आवश्यकता काफी समय से महसूस की जा रही थी। 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन लवाण के बनने से बनियाना, पाटन, लवाण एवं आस-पास के क्षेत्रों की विद्युत छीजत में कमी आयेगी, वोल्टेज में सुधार होगा एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति होगी।

डिडेल ने बताया कि इस ग्रिड सब-स्टेशन के बनने में लगभग 21 करोड़ रुपये की लागत आई है तथा इस ग्रिड सब-स्टेशन के निर्माण में लगभग 15.66 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत की कमी संभावित है, जिससे लगभग 132.170 लाख रूपये प्रतिवर्ष राजस्व की बचत अपेक्षित है।

विद्युत प्रसारण निगम ने दौसा जिले में 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन, लवाण का संचालन शुरू किया।

'राज्य सरकार यूनिवर्सल हैल्थ केयर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध'

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी आज सी.के. बिरला हॉस्पिटल और सीएएचओ के संयुक्त तत्वाधान आयोजित क्वालिटी कॉन्क्लेव 2.0 में सम्मिलित हुई और चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और सुधार की दिशा किए जा रहे नवाचारों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन की भाजपा सरकार चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है और प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है।

कार्यक्रम में सी.के. बिरला अस्पताल के सीईओ विपुल जैन, वाइस प्रेसिडेंट अनुभव सुखवानी, चिकित्सा सेवाओं के उपाध्यक्ष डॉ. समीर सिंह, अधीक्षक डॉ. सुहासनी जैन, ऑपरेशन हेड डॉ. निहार भाटिया, क्वालिटी हेड डॉ. कृति ताम्बी, डॉ दीपा मेहरा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने श्री क्षेत्र रत्नपुर स्थित भद्र हनुमानजी के दर्शन किए

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को श्री क्षेत्र रत्नपुर (खुलताबाद) स्थित भद्र हनुमानजी के दर्शन कर वहां आयोजित महाआरती में भाग लिया। राज्यपाल बागडे ने भद्र हनुमानजी की विधिवत पूजा-अर्चना की और इस दौरान देश और प्रदेशवासियों की सुख, संपन्नता और खुशहाली के लिए कामना की।

प्रदेश में 9 जनवरी तक पूरी हो जाएगी जिलाध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया : मदन राठौड़

- **'गुजरात के पूर्व सीएम और राजस्थान निर्वाचन अधिकारी रूपाणी कराएंगे प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव'**
- **'संगठन पर्व पूर्ण होने के बाद कार्यकारिणी का होगा विस्तार, इसके बाद कार्यों के अनुरूप बनाएं जाएंगे पन्ना प्रमुख'**

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा विश्व की एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी जहां एक निश्चित समय बाद बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक निर्वाचन पद्धति के आधार पर बनाए जाते हैं। भाजपा में वर्तमान समय में संगठन पर्व निर्वाचन प्रक्रिया चल रही है। बूथ समिति का निर्विरोध प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब मंडल अध्यक्षों की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। इसके बाद 8 से 9 जनवरी तक जिला अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष पद पर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से कराने के लिए गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिलाध्यक्षों के निर्वाचन के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद की चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी और इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाएंगे। इसके बाद कार्यकारिणी बनाई जाएगी और कार्यों का वितरण होगा तब कार्यों के विभाजन के साथ पन्ना प्रमुख नियुक्त किए जाएंगे। भाजपा में कार्यकर्ता मजबूती से कार्य करे, क्षेत्र में अपने संपर्क व्यापक बनाए और देशहित व समाज हित की भावना के साथ सबके विकास में सहयोग करें, इसी धारणा के साथ सभी को कार्य विभाजन किया जाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश में विपक्ष की भूमिका में कांग्रेसी नेताओं को केवल आंदोलन ही करना है। गहलोत और पायलट गत सरकार में भी व्यवस्थित रूप से कार्य नहीं कर पाए और अब विपक्ष में रहकर भी विपक्ष की भूमिका सही नहीं निभा पा रहे। गहलोत सरकार के सभी फैसले या तो चंद लोगों को खुश करने वाले थे या फिर जनता के खिलाफ थे। उन्होंने एक विधानसभा वाले क्षेत्र को जिला बना दिया, जबकि कहीं 8 से 11 विधानसभा वाला क्षेत्र जिला है, कहीं 3.5 लाख जनसंख्या पर जिला बना दिया तो कहीं 22 लाख की जनसंख्या पर जिला है। ऐसे में उनके निर्णय अप्रासांगिक और अतार्किक थे।

मदन राठौड़ ने आगामी बजट को लेकर कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पहले बजट में चुनावी घोषणों को शामिल करते हुए उन्हें पुरा करने की दिशा में कार्य किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के संकल्प पत्र में से करीबन 50 फीसदी वादों को पूरा कर दिया और शेष वादों को भी पूरा करने के लिए कार्य योजनाओं को तैयार कर रहे हैं।

कर्नल राठौड़ ने हरिराम रेवाड़ और नितीश कुमार को दी श्रद्धांजलि

जयपुर। सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में वीरगति को प्राप्त कोटपूतली बहरोड़ और नागौर निवासी लांस नायक नितीश कुमार व हवलदार हरिराम रेवाड़ को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

कर्नल राठौड़ ने कहा, मां भारती के अमर सपूतों के सर्वोच्च बलिदान पर हम सभी भारतवासियों को गर्व है। कृतज्ञ राष्ट्र सदा सर्वदा उनका ऋणी रहेगा। हमारे अदम्य साहसी जवानों ने परिवार से पहले राष्ट्रहित को सर्वप्रथम सर्वोपरि रखा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ईश्वर से अमर बलिदानियों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त परिवारों की दु:ख की इस घड़ी में साहस प्रदान करने की कामना की।

युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सम्मान समारोह में शामिल हुए। कर्नल राठौड़ ने इस अवसर पर राजस्थान की प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ी सुशीला मीणा का उत्साहवर्धन कर सम्मानित और प्रोत्साहित किया एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कर्नल राठौड ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज देश के युवा विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

योग क्रांति के बाद अब पंच क्रांतियों का शंखनाद : स्वामी रामदेव

जयपुर/हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण की उपस्थित में पतंजलि संस्थान का 30वाँ स्थापना दिवस पतंजलि वैलनेस, हरिद्वार स्थित योगभवन सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में देशभर के पतंजलि योगपीठ संगठन के 6000 से अधिक प्रभारीगणों की उपस्थिति में स्वामी रामदेव ने विगत 30 वर्षों की सेवा, संघर्ष व साधना से परिचय कराया तथा पतंजलि योगपीठ की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग क्रांति की सफलता के बाद पञ्च क्रांतियों का शंखनाद करते हुए कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक, वैचारिक-सांस्कृतिक व रोगों-भोगों-ग्लानि-कुण्ठाओं से आजादी का बड़ा कार्य पतंजलि से प्रारंभ करना है।

उन्होंने कहा कि आज 50 से 90 और कहीं-कहीं तो 99 प्रतिशत पढ़े-लिखे बेरोजगार, नशेड़ी, चरित्रहीन निस्तेज बच्चे तैयार हैं जिनका बचपन, यौवन और हमारा कुलवंश खतरे में है। हमने यह तय किया है कि पहले भारतवर्ष में और फिर पूरी दुनिया में नई शिक्षा व्यवस्था का शंखनाद करेंगे और उसका नेतृत्व भारत करेगा। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड अब नये प्रतिमान गढ़ेंगे। हमारा संकल्प है कि हम आगामी पाँच वर्षों में 5 लाख विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ेंगें। ये शिक्षा की अभिनव क्रांति होगी।

हमें बच्चों को केवल शब्दबोध नहीं कराना है, शब्दबोध के साथ विषयबोध, आत्मबोध, सत्यपरक भारतबोध व अपने गौरव का बोध कराना है। हम हिन्दी, अंग्रेजी व संस्कृत में पूरे विश्व की जानकारियों का समावेश करेंगे, पूरे विश्व के साथ अपडेट रखेंगे लेकिन उसमें भी 80 प्रतिशत कन्टेंट वेद, दर्शन, उपनिषद्, पुराणों का होगा, भारत के गौरव का होगा। उसमें अध्यात्म विद्या होगी, सनातन बोध होगा, भारत बोध होगा। यह मैकाले का एजुकेशन सिस्टम नहीं है। जब भारतीय शिक्षा बोर्ड से पहले एक लाख और बाद में 5 लाख स्कूल एफिलिएटिड हो जाएँगे तो भारत का बचपन और यौवन सुरक्षित हो जाएगा, यही शिक्षा की आजादी का संकल्प है। हम भारतीय शिक्षा बोर्ड के माध्यम से विदेशी आक्रमणकारियों, अकबर, औरंगजेब या अंग्रेजों की झूठी महानता नहीं बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप व क्रांतिकारियों का सच्चा इतिहास पढ़ाएँगे।

रोग हमारा स्वभाव नहीं, योग ही हमारा स्वभाव है। आज पूरी दुनिया में सिंथेटिक दवा, अलग-अलग प्रकार स्टेरॉयड, पेन किलर इत्यादि खा-खाकर लोगों के शरीर खराब हो रहे हैं। चिकित्सा की आजादी के लिए पतंजलि वैलनेस, योगग्राम, निरामयम, चिकित्सालयों एवं आरोग्य केन्द्रों से लेकर, आधुनिक रिसर्च के माध्यम से ऋषियों की विरासत और विज्ञान को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने 5000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल्स व 500 से अधिक रिसर्च पेपर्स वर्ल्ड क्लास इंटरनेशनल जर्नल्स में पब्लिश करके असाध्य रोगों से मुक्ति का मार्ग दुनिया के सामने रखा है। हमारा संकल्प है कि हम लोगों को रोगी होने से बचायेंगे भी और रोग होने के बाद उन रोगों से योग-आयुर्वेद के माध्यम से लोगों को मुक्ति दिलाएँगे।

आज पूरी दुनिया में कुछ चंद मुट्ठी भर लोगों ने अपने क्रूर पंजों में पूरे अर्थतंत्र को जकड़ रखा है। हमारा लक्ष्य है समृद्धि सेवा के लिए व अर्थ परमार्थ के लिए। अभी तक पतंजलि ने शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण आदि में 1 लाख करोड़ रुपए की चैरिटी की है। 10 हजार से अधिक सेंटर्स के साथ 25 लाख से अधिक प्रशिक्षित योग शिक्षकों तथा 1 करोड़ कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ सेवा से यह सब राष्ट्र निर्माण व चरित्र निर्माण का सेवा कार्य हो रहा है। हमारा संकल्प है कि स्वदेशी का आंदोलन इतना बड़ा खड़ा हो कि आर्थिक लूट, गुलामी और दरिद्रता से भारत निकले तभी भारत परम वैभवशाली बनेगा। बीपी, शुगर, थायरॉइड, अस्थमा, आर्थराइटिस, स्ट्रैस, डिप्रेशन, नींद आदि बीमारियों की गोलियाँ छुड़वाकर हम देश के प्रतिवर्ष 100 से 200 लाख करोड़ रुपए बचाते हैं।

जिस भारत ने पूरी दुनियां को सर्वप्रथम संस्कृत विश्वारा का संदेश दिया वो भारत यदि वैचारिक और सांस्कृतिक गुलामी से गुजरे तो ठीक नहीं। आज भारतवर्ष हर बात पर दुनिया के उन दरिद्र देशों पर निर्भर रहता है जिनके पास केवल चंद कागज के टुकड़े, चंद डॉलर्स या पाउण्ड्स हैं। सच्चा व असली धन केवल पैसा नहीं है अपितु अच्छा स्वास्थ्य, सुखी घर-परिवार व चरित्र, योगधन व दैवीय सम्पद ही सच्चा धन है। हमें वैचारिक और सांस्कृतिक गुलामी से भारत को मुक्ति दिलानी है। इसलिए हम कहते हैं कि हमें इस सनातन धर्म को, वेदधर्म को, ऋषिधर्म को, योगधर्म को युगधर्म के रूप में बढ़ाना है। दुनियां के 500 करोड़ से ज्यादा लोग योग धर्म, सनातन धर्म में श्रद्धा रखते हैं। सब मिलकर साथ चलेंगे तो पूरी दुनिया से रिलिजियस टैररिज़म, पॉलिटिकल टैररिजम और ये शिक्षा व चिकित्सा के नाम पर चल रहा आतंकवाद खत्म होगा।

दुनियां में चारों तरफ नशे का खतरनाक खेल चल रहा है। भारत में नशे के दलदल में धंसकर रोग, नशा व अश्लीलता में लोगों के जीवन तबाह हो रहा है। रोग, नशा, अश्लीलता से आजादी का हमारा संकल्प है। पतंजलि के 30 वर्ष पूर्ण होने पर यही है हमारा संकल्प है कि हम पूरे विश्व को योगमय बनायेंगे, चरित्र निर्माण करके आदर्श विश्व नागरिकों का निर्माण करेंगे।

कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि श्रद्धेय स्वामी के अखण्ड प्रचण्ड पुरुषार्थ से पतंजलि का योगदान आज पूरी दुनिया को प्रेरणा दे रहा है। पतंजलि में लोगों को स्वास्थ्य देने के लिए अर्थ से परमार्थ का अभियान चलाया है। पतंजलि का 100 प्रतिशत प्राफिट केवल चैरिटी के लिए है। पतंजलि के लिए भारत एक बाजार नहीं बल्कि परिवार है। पतंजलि में 500 से अधिक विश्वस्तरीय वैज्ञानिकों की टीम लगातार रिसर्च करके रोगानुसार विविध प्रकार के रस, क्वाथ, वटियाँ, कैप्सूल, व्हीट ग्रास, एलोवेरा जूस, आँवला जूस, नीम रस, गिलोय रस आदि रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड दवाइयाँ पूरी दुनिया को उपलब्ध करा रहे हैं। भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान का प्रयोग करके जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी सर्वप्रथम पतंजलि ने ही किया है। आज पतंजलि ने दुनिया के 200 देशों में करोड़ों लोगों तक योग को गुफाओं व कन्दराओं से निकालकर जन-जन तक पहुँचाया है।

पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में पतंजलि संस्थान का 30वाँ स्थापना दिवस पतंजलि वैलनेस, हरिद्वार स्थित योगभवन सभागार में सम्पन्न हुआ।

- **30 वर्ष पूर्ण होने पर पतंजलि का संकल्प**
- **'आगामी पाँच वर्षों में 5 लाख विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ने का लक्ष्य'**
- **'अभी तक पतंजलि 1 लाख करोड़ से ज्यादा की चैरिटी कर चुका है'**
- **'500 करोड़ से ज्यादा दुनिया के लोग योग धर्म, सनातन धर्म में श्रद्धा रखते हैं'**

मुख्यमंत्री के विजनरी लीडरशिप में प्रदेश में बदल रहा शिक्षा का स्वरूप

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजनरी लीडरशिप में राज्य सरकार द्वारा शिक्षण संस्थानों में अध्ययन-अध्यापन कार्य को मजबूती प्रदान करने से लेकर कौशल विकास तक विशेष फोकस किया जा रहा है, ताकि शिक्षा ग्रहण के साथ ही नई पीढ़ी को वर्तमान और भविष्य के लिए तैयार किया जा सके।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य में संचालित 134 स्वामी विवेकानन्द राजकीय मोडल विद्यालयों में सत्र 2024-25 में प्राथमिक कक्षाओं के लिए शिक्षकों के पदों का सृजन करते हुए इन कक्षाओं के संचालन की पहल की गई। वहीं 402 पीएमश्री विद्यालयों में 3 वर्षीय पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के संचालन के साथ ही विज्ञान संकाय के चयनित 142 पीएमश्री उच्च माध्यमिक विद्यालयों में ओ-लैब (ऑनलाइन लैब) स्थापित की गई हैं। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने बिना किसी व्यवस्था और बिना संसाधनों के अंग्रेजी स्कूलों के केवल बोर्ड लगा दिए और बिना सोचे समझे कई जगहों के एकमात्र बालिका विद्यालय को अंग्रेजी स्कूलों में बदल दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संचालित किए जा रहे कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में सुविधाओं का विस्तार करते हुए ओपन जिम, स्मार्ट किचन एवं लोन्ड्री मशीन की स्थापना की गई। मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश में लगभग 89 हजार टेबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन तथा 8.51 लाख साइकिल वितरित की गई।